६ गिरिधर कविराय की कुंडलिया

१. सही उत्तर पर (✓) निशान लगाए।

(क) कविता के रचयिता गिरिधर कविराय किस सदी के कवि थे?

i. सोलहवीं सदी ☐ ii. अठारहवीं सदी ☐

iii. बीसवीं सदी ☐ iv. उन्नीसवीं सदी ☐

(ख) गिरिधर कविराय की कविताएँ कैसी भाषा में लिखी गई हैं?

i. जटिल और कठिन ☐ ii. विदेशी शब्दों वाली ☐

iii. संस्कृत मिश्रित ☐ iv. सरल और सीधी ☐

(ग) पहली कुंडलिया में बिना सोचे काम करने का क्या परिणाम बताया गया है?

i. धन की हानि होती है ☐ ii. पछतावा होता है ☐

iii. खुशी मिलती है ☐ iv. सम्मान मिलता है ☐

(घ) दूसरी कुंडलिया में कवि किस पर ध्यान देने की सलाह देते हैं?

i. पुरानी गलतियों पर ☐ ii. दूसरों की बातों पर ☐

iii. सहज और आसान कामों पर ☐ iv. धन कमाने पर ☐

(ङ) पहली कुंडलिया के अनुसार बिना सोचे काम करने से मन को क्या नहीं मिलता?

i. प्रसिद्धि ☐ ii. स्वास्थ्य ☐

iii. धन ☐ iv. चैन ☐

(च) "चित्त में चैन न पावै" का अर्थ है —

i. मन को खुशी मिलती है। ☐ ii. मन शांत रहता है। ☐

iii. मन बेचैन और अशांत रहता है। ☐ iv. मन सोचता नहीं है। ☐

२. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए|

(क) बिना बिचारे ______________________________

______________________________ हँसाय॥

____

____

____

______________________________ बिना बिचारे॥

(ख) बीती ताहि ______________________________

______________________________ चित देइ॥

____

____

____

______________________________ सो बीती॥

www.onepointlearning.com

३. सही (✓) या गलत (X) का निशान लगाए ।

(क) कवि के अनुसार बिना सोचे समझे किए गए कार्य का परिणाम अच्छा होता है। ☐

(ख) कुंडलिया में जीवन के अनुभवों से मिली सीख को सरल भाषा में बताया गया है। ☐

(ग) कवि का मानना है कि सत्संग (अच्छी संगति) का कोई प्रभाव नहीं होता। ☐

(घ) गिरिधर कविराय लोगों को यह सिखाते हैं कि बीती हुई बातों को भूल जाना चाहिए। ☐

(ङ) कविताओं में भक्ति भाव से अधिक हास्य रस है। ☐

(च) कवि कहते हैं कि जो बीत गया, उसे सोचते रहने से वर्तमान का सुख नष्ट हो जाता है। ☐

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए|

(क) कवि ने बिना सोच-विचार के किए कार्य के बारे में क्या चेतावनी दी है?

उत्तर. ____

____

____

(ख) 'बीती ताहि बिसारि दे' से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर. ____

____

____

(ग) राग-रंग किन्हें नहीं भाता है?

उत्तर. ____

____

____

(घ) जग में हँसी होने का क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर. ____

____

____

(ङ) गिरिधर कविराय की कविताओं में कौन-कौन से विषय प्रमुख रूप से दिखाई देते हैं?

उत्तर. ____

____

____

(च) कुंडलिया छंद की क्या विशेषता है?

उत्तर. ____

www.onepointlearning.com

____

____

(छ) कवि के अनुसार बुरी संगति का जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर. ____

____

____

५. पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) पाछै = ____________ (ख) चैन = ____________

(ग) जिय = ____________ (घ) टरत = ____________

६. द्वंद्व समास के दो उदाहरण लिखिए।

उदाहरन:- रात-दिन

(क) ______________ (ख) ______________

७. निम्नलिखित पंक्तियों में से संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया पहचानिए।

(क) "काम बिगारे आपनो, जग में होत हँसाय।"

- संज्ञा : ____________
- सर्वनाम : ____________
- क्रिया : ____________

(ख) "बीती ताहि बिसारि दे, आगे की सुधि लेइ।"

- संज्ञा : ____________
- सर्वनाम : ____________
- क्रिया : ____________

८. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए|

(क) सन्मान x ____________ (ख) दुःख x ____________

(ग) दुर्जन x ____________ (घ) रंग x ____________

www.onepointlearning.com

Answer

१.

(क) ii. अठारहवीं सदी
(ख) iv. सरल और सीधी
(ग) ii. पछतावा होता है
(घ) iii. सहज और आसान कामों पर
(ङ) iv. चैन
(च) iii. मन बेचैन और अशांत रहता है।

२.

(क) बिना बिचारे जो करै, सो पाछे पछिताय।
काम बिगारे आपनो, जग में होत हँसाय॥
जग में होत हँसाय, चित्त में चैन न पावै।
खान-पान सन्मान, राग-रंग मनहि न भावै॥
कह गिरिधर कविराय, दुःख कछु टरत न टारे।
खटकत है जिय माहि, कियो जो बिना बिचारे॥

(ख) बीती ताहि बिसारि दे, आगे की सुधि लेइ।
जो बनि आवै सहज में, ताही में चित देइ॥
ताही में चित देइ, बात जोई बनि आवै।
दुर्जन हँसे न कोइ, चित्त में खता न पावै॥
कह गिरिधर कविराय, यहै करु मन परतीती।
आगे को सुख होइ, समुझि बीती सो बीती॥

३.

(क) X (ख) ✓ (ग) X (घ) ✓ (ङ) X (च) ✓

४.

(क) कवि ने कहा है कि बिना सोच-विचार के किया गया काम हमेशा नुकसानदायक होता है। ऐसा करने वाले को बाद में बहुत पछतावा होता है और लोग उसका मज़ाक भी उड़ाते हैं।
(ख) इसका मतलब है कि जो कुछ भी बीत गया, उसे भूल जाना चाहिए और वर्तमान तथा भविष्य की चिंता करनी चाहिए ताकि जीवन में सुख और शांति बनी रहे।
(ग) वह लोग जिन्हें समझदारी और नीति की शिक्षा मिली हो, उन्हें राग-रंग भटकाने वाले लगते हैं और वे ऐसी चीजों में नहीं फंसते।
(घ) जब कोई बिना सोच-समझे काम करता है, तो लोग उसका मज़ाक उड़ाते हैं और उसकी हँसी उड़ती है, जिससे उसकी इज्जत कम हो जाती है।
(ङ) उनकी कविताओं में मुख्य रूप से नीति (जीवन की सीख) और भक्ति के विषय दिखाई देते हैं।
(च) कुंडलिया छंद दो पंक्तियों का होता है जिसमें पहली पंक्ति के अंतिम शब्द या भाव को दूसरी पंक्ति की शुरुआत में दोहराया जाता है। यह छंद सरल और स्पष्ट होता है।
(छ) कवि के अनुसार बुरी संगति से जीवन बिगड़ जाता है। बुरी संगति में रहने वाला व्यक्ति बुरा व्यवहार करता है और उसका जीवन कठिन हो जाता है।

५.

(क) पीछे (ख) शांति (ग) जीव (घ) छूटना

६.

(क) खान-पान (ख) राग-रंग

७.

(क) संज्ञा: काम, जग
सर्वनाम: आपनो
क्रिया: बिगारे, होत, हँसाय

(ख) संज्ञा: सुधि
सर्वनाम: ताहि
क्रिया: बीती, बिसारि, दे, लेइ

८.

(क) अपमान (ख) सुख (ग) सज्जन (घ) अभ्रंग

www.onepointlearning.com